

॥ रामाष्टकं श्रीमदानन्दरामायणे ॥

.. Ramashtakam from Ananda Ramayana ..

sanskritdocuments.org

July 26, 2016

---

# Document Information

---

Text title : rAmAShTakaM

File name : rama8.itx

Category : aShTaka

Location : doc\_raama

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion dvAdashasargAntargatam

Transliterated by : Girish Beeharry, PSA Easwaran psaeaswaran at gmail

Proofread by : Girish Beeharry, PSA Easwaran psaeaswaran at gmail

Description-comments : from Ananda Ramayana, sArakANDe yuddhacharite

Latest update : August 24, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

## ॥ रामाष्टकं श्रीमदानन्दरामायणे ॥

॥ अथ रामाष्टकम् ॥

श्रीशिव उवाच ।

सुग्रीवमित्रं परमं पवित्रं सीताकलत्रं नवमेघगात्रम् ।

कारुण्यपात्रं शतपत्रनेत्रं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११६ ॥ १ ॥

संसारसारं निगमप्रचारं धर्मावतारं हृतभूमिभारम् ।

सदाविकारं सुखसिन्धुसारं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११७ ॥ २ ॥

लक्ष्मीविलासं जगतां निवासं लङ्काविनाशं भुवनप्रकाशम् ।

भूदेववासं शरदिन्दुहासं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११८ ॥ ३ ॥

मन्दारमालं वचने रसालं गुणैर्विशालं हतसप्ततालम् ।

क्रव्यादकालं सुरलोकपालं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ ११९ ॥ ४ ॥

वेदान्तगानं सकलैः समानं हतारिमानं त्रिदशप्रधानम् ।

गजेन्द्रयानं विगतावसानं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२० ॥ ५ ॥

श्यामाभिरामं नयनाभिरामं गुणाभिरामं वचनाभिरामम् ।

विश्वप्रणामं कृतभक्तकामं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२१ ॥ ६ ॥

लीलाशरीरं रणरङ्गधीरं विश्वैकसारं रघुवंशहारम् ।

गम्भीरनादं जितसर्ववादं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२२ ॥ ७ ॥

खले कृतान्तं स्वजने विनीतं सामोपगीतं मनसा प्रतीतम् ।

रागेण गीतं वचनादतीतं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ १२३ ॥ ८ ॥

श्रीरामचन्द्रस्य वराष्टकं त्वां मयेरितं देवि मनोहरं ये ।

पठन्ति शृण्वन्ति गृणन्ति भक्त्या ते स्वीयकामान् प्रलभन्ति नित्यम् ॥ १२४ ॥ ९ ॥

इति शतकोटिरामचरितान्तर्गते श्रीमदानन्दरामायणे

वाल्मीकीये सारकाण्डे युद्धचरिते द्वादशसर्गान्तर्गतं

श्रीरामाष्टकं समाप्तम् ॥

Encoded and Proofread by

Girish Beeharry, PSA Easwaran from Ananda Ramayana

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. Ramashtakam from Ananda Ramayana ..  
was typeset on July 26, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

